28-5-22 आज पत्रावली पेश हुई। वादी व वादी के वकील अनुपस्थित पत्रावली में बार-बार आवाज दिलवाई गई। लेकिन कोई भी उप० नही आये। नही कोई सूचना ही प्राप्त हुई। इससे प्रतीत होता है कि वादी वाद चलना ही नही चाहते है। अतः वादी का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
[illegible]

Signature Not Verified

Digitally signed by Mukut Singh
Date: 2023.01.27 17:30:56 IST
Reason: SelfAttested